

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में एजुकेशन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग (IASE) ने एजुकेशन पर जामिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन कार्यक्रम आयोजित किया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 6 मई 2022 को एक उद्घाटन कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ था, जिसके बाद 9 प्रमुख विषयों से संबंधित 32 तकनीकी सत्र हुए। सम्मेलन का उद्घाटन समारोह इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय, जेएमआई के सभागार में आयोजित किया गया था जिसमें जामिया की कुलपति और सम्मेलन की मुख्य संरक्षक प्रो. नजमा अख्तर उपस्थित रहीं।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन कार्यक्रम 8 मई 2022 को मिश्रित मोड में आयोजित किया गया था। लगभग 500 प्रतिभागी सिस्को वीबेक्स के माध्यम से ऑनलाइन शामिल हुए और कई प्रतिभागी ऑफ़लाइन कार्यक्रम के लिए सीआईटी सम्मेलन हॉल में उपस्थित थे। कार्यक्रम की मेजबानी डीटीटी और एनएफई (आईएएसई) में सहायक प्रोफेसर डॉ. एरुम खान और सम्मेलन समन्वयक द्वारा की गई।

समापन कार्यक्रम में प्रो. अनीसुर रहमान, निदेशक-एचआरडीसी, जेएमआई द्वारा संपादित पुस्तक "हायर एजुकेशन -गुड गवर्नेंस एंड डेवलपमेंट- इश्यूज़, चैलेंजेज़ एंड प्रोस्पेक्ट्स" का विमोचन भी किया गया।

डेल्टा टीचर्स यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. धनंजय जोशी को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने शिक्षार्थियों को आलोचनात्मक रूप से पढ़ाने और अद्वितीय और बदलते विषयों में नई सामग्री को आबजोर्ब करने के लिए शिक्षा ज्वलंत आवश्यकता पर बात की। इस प्रकार उन्होंने शिक्षा को "सिलेक्शन और सॉर्टिंग" से "मानव विकास" की ओर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा और इस प्रकार शिक्षार्थियों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने में मदद की।

एआईयू के महासचिव प्रो. पंकज मित्तल को समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने फ़िलप क्लासरूम की व्यावहारिकता पर चर्चा की और अधिक शिक्षकों को "टीच टू द कैमरा" के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि एकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स (एबीसी) छात्रों को अपना लर्निंग अकाउंट खोलने और कोर्स पूरा करने के लिए कई विकल्प देने में सक्षम बनाएगा। यह संभव हो सकेगा क्योंकि खाते में उनके द्वारा अर्जित क्रेडिट की जानकारी होगी।

ज्ञानवर्धक वक्तव्य के बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने समापन भाषण दिया, जिन्होंने इस अवसर पर जेआईसीई 2022 के मुख्य संरक्षक के रूप में शिरकत की। उन्होंने शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल समापन के लिए आयोजन टीम की सराहना की। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और कोविड के बाद, एनईपी से पहले और एनईपी के बाद के युग में इसकी आवश्यकता और प्रासंगिकता की चर्चा की। उन्होंने सम्मेलन को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर भी प्रसन्नता व्यक्त की और इस क्षेत्र में सम्मेलन के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन से प्रासंगिक विषयों को भी रेखांकित किया, जिनका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को जागरूक बनाना रहा। इसके बाद डीटीटी और एनएफई (आईएएसई) विभाग के अध्यक्ष और सम्मेलन संयोजक प्रो. नहीद जहूर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने अतिथियों, पेपर प्रस्तुतकर्ताओं, आयोजन दल और विभाग के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद की। आयोजन सचिव प्रो. जसीम अहमद को भी धन्यवाद दिया।

सम्मेलन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), जेएमआई, जेएनयू, एएमयू, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएनयूयू), दिल्ली विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू, इलिनोइस विश्वविद्यालय-यूएसए, सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों पर 200 से अधिक पेपर प्रस्तुतकर्ता शामिल हुए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया